शब्दावली

अण्ड अर्धगोलाकार गुम्बद यह आमतौर पर बौद्ध-स्तूप संरचना में प्रयोग किया जाता है।

अरबस्क लाइनों, पत्तियों और फूलों वाली सजावटी डिज़ाइन जो इण्डो-इस्लामिक वास्तुकला की विशेषता है।

अरबी शैली पश्चिम एशियाई देशों में मुस्लिमों का लोकप्रिय स्थापत्य जो ग्यारहवीं से चौदहवीं शताब्दी तक प्रचलित था।

अर्धमण्डप गर्भगृह के सामने स्थित अर्धमण्डप।

अलंकृत पच्चीकारी दीवारों और फर्श पर की गई सुंदर सजावट।

अवदान बौद्ध साहित्य से जुड़ा जीवन घटनाओं तथा अच्छे कर्मों के लिए प्रयुक्त नाम।

अष्टदिक्पाल आठ दिशाओं के रखवाले।

आधिपत्य वह शासन जिसका दूसरे राज्यों पर किसी न किसी प्रकार का आधिपत्य हो, जो आंतरिक रूप से स्वायन्त: हो।

आमलक धारीदार आँवले के फल जैसे आकार वाला शिखर जो प्राय: उत्तर भारतीय मंदिरों के शिखर के शीर्ष पर बनाया जाता है।

आयुध शस्त्र।

ईसा पूर्व सामान्य युग से पहले।

कलश चौड़े मुँह वाला पात्र; मंदिर के शिखर पर सजावटी कलश/मटके का आकार।

कार्निस नीचे सजावट के लिए दीवार पर उभारी गई पट्टी।

क़िबला लिवान मक्का की दिशा में स्थित मस्जिद की दीवार।

किला-ए-कुहान मस्जिद दिल्ली के पुराना किला स्थित शेरशाह सूरी अथवा हुमायूँ द्वारा निर्मित मस्जिद।

कीलाकार मेहराब बनाने हेतु कील/खूँटे के आकार वाला पत्थर।

कुण्डली घुमावदार अलंकृत खम्भा।

कूट वर्गाकार योजना वाला मंदिर।

कोस मीनार मीनार के आकार का मील का पत्थर।

गर्भगृह मंदिरों के अन्दर का वह हिस्सा जहाँ अधिष्ठाता की मूर्ति स्थापित होती है।

गहपति बड़ी भूमि का मालिक या बड़ा किसान जो खेती और व्यापार में शामिल है।

गोपुरम् मन्दिर का मुख्य प्रवेश द्वार।

चकमक पत्थर काले या गहरे भूरे रंग का एक पत्थर जिसका पोत चिकना नहीं है।

चक्र बौद्ध संप्रदाय के पूजा का चक्र/पहिया।

© NCERT not to be republished

चतुरस्त्र वर्गाकार।

चारबाग वर्गाकार भागों में पानी के चैनलों से अन्तर्विभाजक चार भागों में विभाजित उद्यान।

चैत्य का मेहराब ऊपर की ओर केंद्र में उठाई टिप के साथ अर्द्ध परिपत्र चाप।

छत्र छाते की आकृति वाला स्तूप शीर्ष।

छत्री चार स्तंभों पर रखी हुई एक गुम्बद या पिरामिड के आकार की छत।

छेनी नुकीली या आड़ी धारी वाला पत्थर जिसे हड्डी, सींग और हाथी दांत पर उत्कीर्णन के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

जगमोहन मुख्य मंदिर के सामने आयताकार या वर्गाकार मण्डप (यह ओडिशा वास्तुकला की शैली है)।

जातक गौतम बुद्ध के जन्म के बारे में मानव और जानवर दोनों के रूपों में उल्लिखित एक साहित्य।

टेम्पेरा यह एक स्थायी तथा रंगीन पदार्थ है जो पानी में घुलनशील होता है।

डैडो पैनल दीवार के आंतरिक निचले हिस्से से पृथक वह हिस्सा जो जमीन से लगा होता है। इसके कुछ उत्तम उदाहरण होयसाल मंदिर (हलेबिड), जमाली कमली का महरौली स्थित मकबरा और आगरा के निकट फतेहपुर सीकरी का तुर्की सुल्तान का महल हैं।

तारकीय योजना मेहराब की जालियाँ, जिन्हें इस प्रकार बनाया जाता है कि उनमें तारों के आकार का विकिरण दिखाई देता है।

तिपतिया तीन घुमाव वाला मेहराब।

तीर्थंकर जैन धर्म के आध्यात्मिक उपदेशक/गुरु।

तोरण दरवाजे पर लगा नक्काशीदार, सर्पाकार तोरण जिसे समारोहों के अवसर पर लगाया जाता है।

त्रिपुरांतक शिव शिव को धनुष और तीर चलाने वाले हथियारों के साथ चित्रित किया गया है, परंतु पिनाकपाणि से अलग।

द्रविड़ दक्षिण भारतीय लोग; संस्कृति; भाषा एवं स्थापत्य।

धर्मचक्रप्रवर्तन भगवान बुद्ध द्वारा वाराणसी के निकट सारनाथ में दिया गया पहला प्रवचन जिससे धर्म रूपी चक्र का आरंभ हुआ।

नक्कारखाना नगाड़ा बजाने के लिए बना कमरा जो प्राय: किले अथवा महल के मुख्य द्वार से लगा होता था। मुगलकालीन महलों का यह एक मुख्य हिस्सा था।

नागर उत्तरी भारत के मंदिरों की स्थापत्य शैली।

नाट्यमण्डप अथवा रंगमण्डप मंदिर के अग्र-भाग स्थित सभागार जहाँ नृत्य किया जाए।

पंचायतन चारों कोनों पर स्थित छोटे मंदिरों के मध्य बना मुख्य मंदिर।

पठान स्थापत्य दिल्ली के खिलजी शासक जोकि अफगान माने जाते थे, उनके द्वारा निर्मित स्थापत्य शैली।

© NCERT not to be republished

पदक स्वरूप आकृतियाँ या सुलेख से सजे गोलपदक के समान दिखने वाले मेहराब।

पिएत्रा-द्यूरा अर्द्ध कीमती पत्थरों के प्रयोग से बना मोसैक (पच्चीकारी का काम) जो ताजमहल में दीवारों, छत्रियों और संगमरमर पर देखने को मिलता है।

पेन्डेन्टिव दो दीवारों के मध्य एक त्रिकोणीय कोष्ठक, जो गुम्बद के आधार तल से मेहराब को सहारा देता है।

प्रदक्षिणा परिक्रमा।

प्रमुख पत्थर मेहराब के शिखर पर रखा एक केंद्रीय पत्थर।

फंसना आम तौर पर मंडप के ऊपर या शिखर पर बनी प्रतिकृतियाँ।

फलक एक निश्चित आकार का एक पैनल या उसके समान एक शिलालेख या चित्र।

फिरोज़ा आसमानी अथवा हल्के हरे रंग का अर्ध-मूल्यवान पत्थर जिसे अनेक प्राचीन कालीय अलंकारों में लगाकर बहुमूल्य बनाया गया।

फेयन्स विभिन्न नीले रंग की नकली कांच जैसी वस्तु जिसका प्रयोग आभूषणों की सज्जा के लिए किया जाता है।

फ्रेस्को भित्ति चित्रकारी के प्रयोग में लाया जाने वाला गीले चूने का प्लास्टर।

बंग बंगाल का पुराना नाम।

बहुरंगी वह वस्तु जिस पर विभिन्न रंगों की सज्जा/कारीगरी की गई हो।

बिल्लौर विश्व के विभिन्न भागों में पाया जाने वाला बिल्लौर पत्थर जिसे औज़ार बनाने एवं समारोहों में प्रयोग में लाया जाता था। इसकी विभिन्न किस्में पायी जाती हैं।

बौद्ध धर्म गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित धर्म जो ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी में उत्पन्न हुआ।

बोधिसत्व बौद्ध धर्म में बोधिसत्व से तात्पर्य महात्मा बुद्ध के पूर्व जन्मों से है।

भित्ति-चित्र दीवार गुफ़ाओं, इमारतों अथवा मंदिरों की दीवार पर फ्रेस्को या किसी अन्य शैली में की गई चित्रकारी।

मकबरा मृतकों को दफनाये गए स्थल की इमारत।

मण्डप सभागार।

महापरिनिर्वाण भगवान बुद्ध की मृत्यु अथवा निर्वाण (जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्ति)।

महामण्डप मंदिर के अग्र-भाग में स्थित मण्डप अथवा सभागार।

मिमबर जिस पर मस्जिदों में खुतबा पढ़ा जाता है।

मिहराब/मेहराब प्रार्थना गृह जो मक्का की ओर इंगित करता है।

मुखलिंग लिंग जिस पर मुखाकृति हो।

मृण्मूर्ति मिट्टी की बनी मूर्ति जिसे सूखने के बाद आग में पकाया जाता है जिसके बाद वह लाल रंग की हो जाती है।

मेड़ी गोलाकार नली।

© NCERT not to be republished

यक्ष/यक्षिणी प्राकृतिक संसाधन एवं प्रकृति का संरक्षण करने वाले।

रूपकार कलाकार।

लाजवर्द मणि नीला अर्द्ध कीमती पत्थर। प्राचीन काल में इसका मुख्य स्रोत उत्तरी अफगानिस्तान में बदाक्षन के पहाड़ों में था, जहां से व्यापक रूप से इसका कारोबार होता था। लाजवर्द मणि का इस्तेमाल आभूषणों, मुहरों आदि में जड़कर किया जाता था।

लिंग भगवान शिव की लिंग के रूप में पूजा की जाती है।

लेखाप्रसाद उस शैली के मंदिर जिनमें शिखर का आधार चौकोर होता है जिसके फलक ऊपर की ओर जाते-जाते अन्दर की ओर तिरछे होते जाते हैं।

वज्रयान बौद्ध धर्म से उत्पन्न तांत्रिक प्रक्रिया वाला वाद।

वर्ण प्राचीन काल में व्यवसाय पर आधारित चार वर्गों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र) में विभाजित समाज।

वलभी नागर शैली के मन्दिरों की एक श्रेणी।

विमान दक्षिण भारतीय मंदिरों के गर्भ के ऊपर का शिखर।

विहार वह स्थान जहाँ बौद्ध साधु रहते थे।

वेसर कर्नाटक के चालुक्य शासकों के समय बने मंदिरों की स्वतंत्र शैली जिसमें उत्तर (नागर) एवं दक्षिण (द्रविड़) भारतीय शैलियों का मिश्रण था।

श्रमण बौद्ध अथवा जैन संप्रदाय के वे लोग जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते थे।

शिखर उत्तर भारतीय शैली के मंदिरों का शिखर जो गर्भगृह के ऊपर होता है।

शिल्पशास्त्र भारतीय कला एवं स्थापत्य के नियमों एवं तत्वों का वर्णन करने वाले ग्रंथ, शिल्पशास्त्र कहलाते थे।

शिल्पी कलाकार।

संकुचित स्थान वर्गाकार कमरे के चारों तरफ का मेहराब जिस पर गुम्बद टिकता है।

सभा मण्डप सभागार।

सराय वह स्थान जहाँ राहगीर रुक सकें।

साम्राज्यवादी पूर्णतया स्वाधीन रूप से शासन करने वाला प्राधिकारी।

सूर्यकांतमणि बिल्लौर पत्थर की एक किस्म जो लाल, पीली या भूरी हो सकती है। लंबे समय से इसका प्रयोग आभूषण और अलंकरण के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है।

सुलेखन सजावटी लिखावट की कला।

सेलखड़ी धूसर अथवा हरे से रंग का पत्थर जो मुलायम होता है और जिससे आकृतियाँ, बर्तन, मुहरें और अन्य वस्तुएँ बनायी जा सकती हैं।

स्कन्ध मेहराब के बाहरी घुमाव पर एक चौकोर घेरे के बीच की तिकोनी जगह।

स्टक्को दीवार तथा सजावट के लिए प्रयोग किया जाने वाला अच्छा प्लास्टर।

© NCERT not to be republished

स्तूप बौद्ध संप्रदाय के लोगों द्वारा पूज्य वह अण्डाकार संरचना जिसमें बुद्ध के अवशेष रखे हों।

स्थापति वास्तुकार।

स्फटिक एक उच्च गुणवत्ता वाला पारदर्शी, रंगहीन शीशे जैसा पदार्थ जिसके अलंकृत पात्र एवं आभूषण बनाए जाते हैं।

हमाम तुर्की शैली में बना स्नान गृह।

हर्मिका अर्ध वृत्तीय स्तूप के गुंबद पर छोटे वर्गाकार बाड़ लगाना।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT
not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished